A–1048

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY(N)-101

भारतीय ज्ञान परम्परा में ब्रह्माण्ड एवं काल विवेचन

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आकाशगंगा के संरचना एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. तिथि के सैद्धांतिक स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. सौरपरिवार की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।

4. ब्रह्माण्डोत्पत्ति के प्राचीन सिद्धान्त का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. काल कितने प्रकार के होते हैं ? उसके स्वरूप की विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. क्षुद्रग्रह से आप क्या समझते हैं ?

2. ग्रहों के महत्त्व को प्रकाशित कीजिए।

3. बुध के भौतिक स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. सौर परिवार से आप क्या समझते हैं ?

5. चान्द्रमास को परिभाषित कीजिए।

6. अधिकमास एवं क्षयमास में अंतर स्पष्ट कीजिए।

7. युग एवं महायुग में क्या अंतर है ?

8. तिथियों की संज्ञाएँ एवं स्वामियों के नाम लिखिए।

****